प्रश्नकोश

1. **मुगल प्रशासन के दौरान जिले को किस नाम से जाना जाता था?**

(a) अहर (b) विश्यास
(c) सूबा (d) सरकार

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर–(d)

मुगल प्रशासन के दौरान जिले को 'सरकार' के नाम से जाना जाता था। शासन की सुविधा के लिए प्रत्येक सूबा (प्रांत) कई सरकारों (जिलों) में बंटा होता था। सरकार को पुनः परगना या महल में विभाजित किया गया था।

2. **मुगल काल में जनपद (जिला) क्या कहलाता था?**

(a) इक्ता (b) सरकार
(c) तर्फ़ (d) सूबा

U.P. Lower Sub. (Pre) 2009

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. **मुगलकाल में सेना का प्रधान निम्न में से कौन था?**

(a) शहना-ए-पील (b) मीर बख्शी
(c) वजीर (d) सवाहेनिगार

U.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(b)

मुगलकाल में मीर बख्शी सैन्य विभाग का प्रधान था। उच्चाधिकारियों सहित सभी श्रेणियों के मनसबदारों की नियुक्ति के आदेश उसी के द्वारा दिए जाते थे। घोड़ों को दागने और सिपाहियों का मुआयना करने का काम भी उसी के जिम्मे था।

Scanned with OKEN Scanner

4. मुगल शासन में मीर बख्शी का कर्तव्य था—

(a) किसानों से टैक्स वसूल करना

(b) आय-व्यय का लेखा रखना

(c) न्याय देना

(d) भू-राजस्व अधिकारियों का पर्यवेक्षण

U.P. P.C.S. (Spl.) Pre 2004

उत्तर—(d)

मुगल शासन में मीर बख्शी भू-राजस्व अधिकारियों का पर्यवेक्षण करता था तथा साथ ही सैन्य विभाग के वेतन के लिए भी उत्तरदायी था। सर जदुनाथ सरकार ने मीर बख्शी को 'वेतनाधिकारी' (Pay Master) कहा है। किंतु वेतनाधिकारी का कार्य मीर बख्शी का नियमित एवं स्थायी कार्य नहीं था। वेतनाधिकारी का कार्य 'दीवान-ए-तन' करता था।

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : मुगल साम्राज्य मूल रूप से एक सैनिक राज्य था।

कारण (R) : केंद्रीय शासन व्यवस्था के विकास की प्राणशक्ति उसकी सैनिक शक्ति पर निर्भर थी।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) (A) सत्य है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सत्य है।

U.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(a)

यद्यपि यह विवाद का विषय है कि मुगल साम्राज्य एक सैनिक राज्य था, परंतु अधिकतर इतिहासकार यह मानते हैं कि लगभग सभी मनसबदारों को सैन्य दायित्व प्रदान किया गया था। साथ ही मुगलों के पास एक बड़ी सेना थी, जिसने मुगल साम्राज्य के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

6. निम्नलिखित में से किसे मुगल सेना में चिकित्सक नियुक्त किया गया था?

(a) बर्नियर को (b) करेरी को

(c) मनूची को (d) टैवर्नियर को

U. P. P. C. S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर—(c)

निकोलो मनूची को मुगल सेना में चिकित्सक नियुक्त किया गया था। वह एक इतालवी यात्री था। इसने भारत आकर दारा शिकोह की सेना में तोपची के रूप में नौकरी की। 1659 ई. में दारा शिकोह की मृत्यु के बाद इसने चिकित्सक का पेशा अपना लिया।

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए, अहदी वे घुड़सवार सिपाही थे—

1. जिन्होंने अपनी सेवाएं एकाकी प्रदान कीं

2. जिन्होंने किसी सरदार के साथ अपने को संलग्न नहीं किया

3. सम्राट ही जिनका आसन्न कर्नल था

4. जिन्होंने अपने को मिर्जाओं के साथ संलग्न किया

इन कथनों में से—

(a) 1, 3 और 4 सही हैं। (b) 1, 2 और 3 सही हैं।

(c) 2 और 3 सही हैं। (d) 1 और 4 सही हैं।

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर—(b)

मुगलकाल में मनसबदारों के सैनिकों के अतिरिक्त दो प्रकार के और घुड़सवार सैनिक थे, जो 'अहदी' तथा 'दाखिली' कहलाते थे। 'अहदी' सैनिक बादशाह द्वारा नियुक्त किए जाते थे तथा उसके अंगरक्षक के रूप में कार्य करते थे। यद्यपि इनका मनसबदारों से कोई संबंध नहीं था, किंतु बादशाह के प्रत्यक्ष आदेश से इन्हें मनसबदारों के साथ नियुक्त कर दिया जाता था। ये प्रत्यक्ष रूप से बादशाह के अधीन होते थे तथा इनकी भर्ती, वेतन, वस्त्र एवं घोड़े सब राज्य की ओर से दिए जाते थे। इनके लिए पृथक् दीवान एवं बख्शी की व्यवस्था की गई थी। एक अहदी घुड़सवार को 500 रु. वेतन देने का उल्लेख मिलता है, जबकि एक साधारण घुड़सवार को 12 रु. से 15 रु. तक ही वेतन दिया जाता था। ये बादशाह के सबसे योग्य और वफादार सैनिक माने जाते थे।

8. मुगल प्रशासन में 'मुहतसिब' था—

(a) सेना अधिकारी

(b) विदेश विभाग का मुख्य

(c) लोक आचरण अधिकारी

(d) पत्र-व्यवहार विभाग का अधिकारी

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर—(c)

मुगल प्रशासन में मुहतसिब जन आचरण के निरीक्षण विभाग का प्रधान था। उसका कार्य सार्वजनिक आचरण को उच्च बनाए रखना था। आचरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए अकबर ने नगरों में मदिरा की बिक्री तथा वेश्याओं का निवास निषिद्ध घोषित कर दिया था।

Scanned with OKEN Scanner

9. मध्यकालीन भारत में मनसबदारी प्रथा खासतौर पर इसलिए चालू की गई थी, ताकि—

(a) सेना में भर्ती की जा सके

(b) राजस्व संग्रह में सुविधा हो

(c) धार्मिक सामंजस्य सुनिश्चित हो

(d) साफ-सुथरा प्रशासन लागू हो सके

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर—(d)

मनसबदारी व्यवस्था एक विशिष्ट प्रशासनिक व्यवस्था थी, जिसका प्रचलन मुगल शासक अकबर द्वारा किया गया था। संभवतः दशमलव प्रणाली पर आधारित मंगोलों की सैन्य व्यवस्था ही, जिसकी कुछ छाप दिल्ली सल्तनत के सैन्य संगठन पर दिखाई पड़ती है, मुगलों की सैन्य व्यवस्था का आधार रही होगी। दिए गए विकल्पों में मनसबदारी प्रथा को लागू करने का मुख्य उद्देश्य एक साफ-सुथरा प्रशासन को लागू करना था।

10. निम्नलिखित बातों में से कौन एक मुगल मनसबदारी व्यवस्था के विषय में सत्य नहीं है?

(a) इसमें 33 वर्ग थे।

(b) उन्हें 'मशरुत' अथवा सशर्त पद प्राप्त होते थे।

(c) उनका 'सवार' पद 'जात' पद से अधिक हो सकता था।

(d) समस्त कार्यकारी एवं सैन्य अधिकारियों को मनसब प्रदान किए जाते थे।

U. P. P. C. S. (Mains) 2009

उत्तर—(c)

मनसबदारी व्यवस्था के अंतर्गत 33 वर्ग थे। उन्हें मशरुत अथवा सशर्त पद प्राप्त होते थे। अकबर ने 40वें वर्ष में जात एवं सवार जैसे दोहरी व्यवस्था लागू की। जिस मनसबदार से अपने जात या व्यक्तिगत दर्जे के अनुरूप सवार रखने की अपेक्षा की जाती थी, उसे उसके दर्जे की पहली कोटि में, जिससे जात के आधे सवार रखना अपेक्षित था, उसे दूसरी कोटि में और जिससे जात के आधे से भी कम सवार रखना अपेक्षित था, उसे तीसरी कोटि में रखा जाता था। सवार पद, जात पद से कभी ऊपर नहीं हो सकता था। इस व्यवस्था में सैनिक और असैनिक अधिकारियों का एक ही सेवा-संवर्ग था। लोग अधिकतर सरकारी सेवा में निम्नतम सोपान पर प्रवेश करके अमीर या अमीर-ए-उम्दा के दर्जे तक ऊपर जाने की आशा कर सकते थे।

11. मुगल मनसबदारी व्यवस्था के बारे में निम्न कथनों पर विचार कीजिए एवं नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए—

1. 'जात' एवं 'सवार' पद प्रदान किए जाते थे।

2. मनसबदार आनुवांशिक अधिकारी होते थे।

3. मनसबदारों के तीन वर्ग थे।

4. दीवान कार्यालय द्वारा इनको वेतन दिया जाता था।

कूट :

(a) चारों कथन सही हैं।

(b) चारों कथन गलत हैं।

(c) केवल 1, 2 एवं 3 सही हैं।

(d) केवल 1 एवं 3 सही हैं।

U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Mains) 2010

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010

उत्तर—(d)

मनसब शब्द का अर्थ 'श्रेणी' अथवा 'पद' है तथा 'मनसबदार' का अर्थ उस अधिकारी से था, जिसे शाही सेना में पद अथवा श्रेणी प्राप्त थी। अकबर की मनसबदारी व्यवस्था दशमलव प्रणाली पर आधारित थी। अकबर ने मनसबदारी व्यवस्था में 'जात' और 'सवार' के पदों को आरंभ किया। डॉ. ए.एल. श्रीवास्तव के अनुसार, 'जात' का पद हाथी, घोड़े आदि सभी की संख्या का द्योतक था, जबकि 'सवार' का पद केवल घुड़सवारों की संख्या को निश्चित करता था। मनसबदारों के तीन वर्ग थे, जिनमें प्रथम श्रेणी के अंतर्गत वे आते थे, जो निर्धारित मनसब की संख्या के बराबर सवार रखते थे। दूसरी श्रेणी में वे मनसबदार थे, जिनकी सवार संख्या उनके निर्धारित मनसब का आधा या आधे से अधिक होती थी। तृतीय श्रेणी में वे मनसबदार थे, जिनकी सवार संख्या निर्धारित मनसब के आधे से कम होती थी। मनसबदार आनुवांशिक अधिकारी नहीं होते थे। इन्हें वेतन नकद अथवा जागीर के रूप में प्रदान किया जाता था। इस प्रकार कूट (d) सही उत्तर है।

12. मुगल भारत के संदर्भ में, जागीरदार और जमींदार के बीच क्या अंतर है/हैं?

1. जागीरदारों के पास न्यायिक और पुलिस दायित्वों के एवज में भूमि आबंटनों का अधिकार होता था, जबकि जमींदारों के पास राजस्व अधिकार होते थे तथा उन पर राजस्व उगाही को छोड़कर अन्य कोई दायित्व पूरा करने की बाध्यता नहीं होती थी।

2. जागीरदारों को किए गए भूमि आबंटन वंशानुगत होते थे और जमींदारों के राजस्व अधिकार वंशानुगत नहीं होते थे।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

(a) केवल 1

(b) केवल 2

Scanned with OKEN Scanner

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

I.A.S. (Pre) 2019

उत्तर–(d)

मुगल प्रशासनिक प्रणाली में मनसबदार सैन्य और प्रशासनिक अधिकारी होता था। मनसबदार को सैन्य और प्रशासनिक व्यय तथा वेतन के बदले नकद या जागीर के रूप में भुगतान होता था। जिन मनसबदारों को जागीर प्राप्त होती थी, वे 'जागीरदार' कहलाते थे। इन्हें न्यायिक और प्रशासनिक दायित्वों के एवज में भूमि आबंटन अधिकार प्राप्त होते थे, तथापि इनके भूमि अधिकार केवल सेवाकाल तक ही रहते थे। इसके विपरीत जमींदार पहले से चले आ रहे बड़े भू-धारक होते थे। इनका कार्य अपने प्रभाव क्षेत्र से भू-राजस्व संग्रह कर राज्य को देना होता था, जिसके बदले उन्हें लगभग 10-11 प्रतिशत (कतिपय क्षेत्रों में यह 25 प्रतिशत तक था) संग्रह शुल्क प्राप्त होता था। इनके राजस्व अधिकार वंशानुगत होते थे तथा इनका मुख्य उत्तरदायित्व तो राजस्व उगाही होता था, परंतु इसके अतिरिक्त भी वे कुछ विशिष्ट प्रकार की सेवाएं (खिदमत) राज्य को देते थे। अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा विद्रोही तत्वों से निपटने में राज्य के अधिकारियों की सहायता के अतिरिक्त ये आवश्यकता पड़ने पर अपने सैनिक संसाधन भी राज्य को उपलब्ध कराते थे। इस प्रकार प्रश्नगत दोनों ही कथन सही नहीं हैं।

13. मुगलकालीन भारत में राज्य की आय का प्रमुख स्रोत क्या था?

(a) लूट (b) राजगत संपत्ति

(c) भू-राजस्व (d) कर

U.P. P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(c)

मध्यकालीन भारत में राज्य की आय का प्रमुख स्रोत भू-राजस्व था। बाबर के समय में संपूर्ण भूमि को जागीरों में बांट दिया गया। हुमायूं ने अपने समय में भूमि-सुधार के लिए कोई कार्य नहीं किया। शेरशाह ने अपने समय में एक सुव्यवस्थित लगान-व्यवस्था का प्रबंध किया, परंतु वह व्यवस्था इस्लाम शाह की मृत्यु के पश्चात नष्ट हो गई। अकबर, प्रथम मुगल सम्राट था जिसने लगान व्यवस्था को सुचारू रूप से स्थापित किया और मध्य युग की श्रेष्ठतम लगान पद्धति का निर्माण किया। उसके शासनकाल में सामान्यतः उपज का 1/3 भाग भू-राजस्व के रूप में लिया जाता था। शाहजहां के काल में भूमि पर भू-राजस्व बढ़कर 50 प्रतिशत तक हो गया था। उसने भू-राजस्व वसूल करने के लिए ठेकेदारी प्रथा का प्रचलन शुरू किया।

14. मुगल प्रशासनिक शब्दावली में 'माल' प्रतिनिधित्व करता है–

(a) भू-राजस्व का (b) वेतन का

(c) मतों का (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. Lower Sub. (Pre) 2009

उत्तर–(a)

मुगल प्रशासनिक शब्दावली में 'माल' शब्द भू-राजस्व से संबंधित था।

15. मुगल सम्राट जिसने तंबाकू के प्रयोग पर निषेध लगाया था–

(a) अकबर (b) बाबर

(c) जहांगीर (d) औरंगजेब

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(c)

पुर्तगालियों द्वारा 1605 ई. में तंबाकू भारत लाया गया, इसके बाद ही तंबाकू भारत के जनसामान्य में बहुत लोकप्रिय हो गया। कुछ ही वर्षों में तंबाकू पीने की आदत लोगों में इतनी अधिक प्रचलित हो गई कि इस नुकसानदेह आदत से बचने के लिए 1617 ई. में जहांगीर को निषेध जारी करना पड़ा।

16. मुगल प्रशासन में 'मदद-ए-माश' इंगित करता है–

(a) चुंगी कर (Toll Tax)

(b) विद्वानों को दी जाने वाली राजस्व मुक्त अनुदत्त भूमि

(c) सैन्य अधिकारियों को दी जाने वाली पेंशन

(d) बुवाई कर (Cultivation Tax)

46th B.P.S.C. (Pre) 2003

उत्तर–(b)

मुगल प्रशासन में विद्वानों एवं धार्मिक लोगों को दी जाने वाली राजस्व मुक्त अनुदान भूमि को 'मदद-ए-माश' कहा जाता था, इसे 'सयूरगल' भी कहा जाता था। दान दी जाने वाली समस्त भूमि का निरीक्षण सद्र करता था तथा सद्र का यह भी दायित्व था कि इन अनुदानों का दुरुपयोग न होने पाए। यह भूमि स्थानांतरित नहीं होती थी और अनुदान ग्राही के पास वंशानुगत रूप से रहती थी।

17. मध्यकालीन भारत के ऐतिहासिक स्रोतों में चकला शब्द का प्रयोग हुआ है। यह -

(a) परगना के समानार्थी था।

(b) सरकार के समानार्थी था।

(c) सूबा और परगना के बीच की क्षेत्रीय इकाई था, लेकिन सरकार के समानार्थी नहीं था।

(d) उपर्लिखित में से कोई भी नहीं।

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

मुगल काल में प्रशासन की सुविधा की दृष्टि से प्रत्येक प्रांत को अनेक सरकारों अथवा जिलों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक सरकार अनेक परगनों में विभाजित था। प्रत्येक परगने के अंतर्गत अनेक गांव होते थे। शाहजहां के काल में कुछ परगनों को एक में मिलाकर एक नई इकाई 'चकला' का संगठन किया गया।

18. मनसबदारी व्यवस्था के संदर्भ में, कौन-सा कथन सही है/हैं?

1. मनसबदारी व्यवस्था राज्य के कुलीन वर्ग से संबंधित थी, जिसे अकबर ने प्रारंभ किया।

2. मनसबदारी का पद पैतृक था।

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए -

(a) केवल 1

(b) 1 और 2 दोनों

(c) केवल 2

(d) न तो 1 और न ही 2

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर-(a)

मुगल काल में मनसबदारी पद्धति की शुरुआत अकबर के काल में उसके शासन के 19वें वर्ष (1575 ई.) से मानी जाती है, जिसमें जात और सवार पद का विभाजन उसके शासनकाल के 40वें वर्ष में किया गया था। मनसब मुगल नौकरशाही में पद और वरीयता क्रम निर्धारित करता था। यह प्रशासनिक और सैन्य पद था। मनसबदारों की नियुक्ति और उनका वरीयता क्रम बादशाह निर्धारित करता था तथा केवल सेवाकाल तक ही यह पद रहता था। अर्थात यह वंशानुगत (पैतृक) पद नहीं था।

19. कथन (A) : मुगलकाल में मनसबदारी प्रथा विद्यमान थी।

कारण (R) : मनसबदारों का चयन योग्यता के आधार पर होता था।

(a) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन को स्पष्ट करता है।

(b) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन को स्पष्ट नहीं करता है।

(c) कथन सही है, परंतु कारण गलत है।

(d) कथन गलत है, परंतु कारण सही है।

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर-(b)

मनसबदारी व्यवस्था मुगल प्रशासनिक व्यवस्था का मूलाधार थी, अकबर के शासनकाल के 19वें वर्ष में पहली बार मनसब प्रदान किए जाने का साक्ष्य मिलता है। मुख्यतः मनसबदारों के चयन में योग्यता ही मानदंड होती थी। इस प्रकार कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन को स्पष्ट नहीं करता है।

20. निम्न में दिए गए कथन (A) एवं (B) के व्याख्यान को पढ़ें और निम्न के कूट में से सही उत्तर का चयन करें—

(A) सभी मनसबदार सेना के पदाधिकारी नहीं होते थे।

(B) मुगल शासन के अधीन उच्च पदाधिकारी भी मनसबदार होते थे और उनका वर्गीकरण होता था।

(a) (A) एवं (B) दोनों ही गलत हैं।

(b) (A) एवं (B) दोनों ही सही हैं।

(c) (A) सही है, जबकि (B) गलत है।

(d) (A) गलत है, जबकि (B) सही है।

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2013

उत्तर-(b)

मनसबदारी व्यवस्था को अकबर ने अपने शासनकाल में प्रारंभ किया था। सैन्य अधिकारियों के साथ-साथ असैनिक अधिकारियों को भी मनसब प्रदान किया जाता था। अबुल फजल के 'आइन-ए-अकबरी' से ज्ञात होता है कि मनसबदारों की 66 श्रेणियां थीं। यह श्रेणियां 10 से लेकर 10 हजार तक होती थीं, परंतु इस व्यवस्था के अंतर्गत केवल 33 श्रेणियां व्यवहारतः प्रचलित थीं।

21. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए -

सूची - I (अधिकारी)	सूची - II (विहित कर्तव्य)
A. दीवान - ए - तन	1. कार्यालय को संभालने के लिए
B. मुस्तौफी	2. प्रमुख घटनाओं व फरमानों को सूचीबद्ध करना
C. मुशरिफ	3. जागीर व वेतन को देखना
D. वकियानवीस	4. राज्य की आय-व्यय का निरीक्षण करना

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	4	1	3
(b)	3	4	1	2
(c)	1	3	2	4
(d)	4	1	2	3

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर-(b)

Scanned with OKEN Scanner

सूची - I का सूची - II से सही सुमेलन निम्नवत है-

सूची - I (अधिकारी)	सूची - II (विहित कर्तव्य)
दीवान - ए - तन	जागीर व वेतन को देखना
मुस्तार्फी	राज्य की आय-व्यय का निरीक्षण करना
मुशरिफ	कार्यालय को संभालने के लिए
वकियानवीस	प्रमुख घटनाओं व फरमानों को सूचीबद्ध करना

22. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (बादशाह)	सूची-II (दीवान)
A. अकबर	1. गियास बेग एतमाद-उद्दौला
B. जहांगीर	2. असद खान
C. शाहजहां	3. मुजफ्फर खान
D. औरंगजेब	4. सादुल्ला खान

कूट :

	A	B	C	D
(A)	1	4	3	2
(B)	2	3	1	4
(C)	3	2	1	4
(D)	3	1	4	2

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2021

उत्तर—(d)

सही सुमेलन इस प्रकार है—

सूची-I (बादशाह)	सूची-II (दीवान)
अकबर	मुजफ्फर खान
जहांगीर	गियास बेग एतमाद्-उद्दौला
शाहजहां	सादुल्ला खान
औरंगजेब	असद खान

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

कथन (A) : अकबर ने शेरशाह की तरह राज्य के सिक्कों के प्रचलन को नियमित करने का प्रयास किया।

कारण (R) : शेरशाह की मुद्रा पद्धति के समान, अकबर के समय का ताम्र का प्रमुख सिक्का दाम था।

नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए -

कूट :

(a) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(b) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(d) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

अकबर ने शेरशाह की तरह राज्य के सिक्कों के प्रचलन को नियमित करने का प्रयास किया और इसके परिणामस्वरूप अकबर और उसके उत्तराधिकारियों के शासनकाल के दौरान मुगल साम्राज्य में व्यापारिक कारोबार हेतु मुख्यत: स्वर्ण मुहरों, चांदी के रुपया और तांबे के दाम के रूप में मानक सिक्कों का प्रचलन और प्रसार किया गया। शेरशाह की मुद्रा पद्धति के समान, अकबर के समय भी तांबे का प्रमुख सिक्का दाम था तथा 1 रुपया में 40 दाम होते थे। राज्य के आय-व्यय की गणना दाम में ही की जाती थी। इस प्रकार प्रश्नगत कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

24. निम्नलिखित राजाओं में से किसने रामसीता की आकृतियों और 'रामसीय' देवनागरी लेख से युक्त कुछ सिक्के चलाए?

(a) भोज (b) सिद्धराज जयसिंह

(c) जैन उल आबिदीन (d) अकबर

U.P.P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर—(d)

अकबर द्वारा रामसीता की आकृतियों और रामसिया/रामसीय देवनागरी लेख से युक्त सिक्के चलाए गए थे।

25. मुगल शासन में तांबे का सिक्का कहलाता था—

(a) रुपया (b) दाम

(c) टंका (d) शम्सी

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर—(b)

टकसालों में सोने, चांदी और तांबे के सिक्के ढाले जाते थे। चांदी का सिक्का 'रुपया' कहलाता था।

26. निम्नलिखित में से किस शासक ने 'शाहरुख' नामक चांदी का सिक्का चलाया?

(a) अकबर (b) बाबर

(c) हुमायूं (d) शाहजहां

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2017

उत्तर—(b)

Scanned with OKEN Scanner

बाबर ने चांदी और तांबे का सिक्का चलाया था। चांदी के सिक्के को 'शाहरुख' कहा जाता था।

27. मध्यकाल में बंटाई शब्द का अर्थ था–

(a) धार्मिक कर (b) लगान निर्धारण का तरीका

(c) धन कर (d) संपत्ति कर

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(b)

मध्यकाल में बंटाई लगान निर्धारण की एक पद्धति थी, जिसमें वास्तविक उपज का बंटवारा राज्य और कृषक के बीच होता था। शेरशाह सूरी ने लगान निर्धारण के लिए तीन प्रणालियां अपनाई थीं–(1) नश्क या मुक्ताई अथवा कनकूत, (2) नकदी अथवा जब्ती तथा (3) गल्ला बख्शी या बंटाई।

28. अकबर के शासनकाल में दक्कन में निम्न पद्धतियों में से कौन-सा भू-राजस्व वसूली का प्रचलित आधार था?

(a) कनकूत (b) हल की संख्या

(c) जब्त (d) गल्लाबख्शी

U.P. P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(b)

जे.एन. सरकार की 'औरंगजेब का इतिहास' पुस्तक में पृष्ठ संख्या 190 पर यह उल्लेख किया गया है कि अकबर के शासनकाल में उत्तर भारत में दीवान टोडरमल द्वारा भू-राजस्व वसूली की व्यवस्थित पद्धति स्थापित की गई थी, लेकिन दक्कन में इस प्रकार की व्यवस्थित पद्धति का अभाव था। इस दौरान दक्कन के किसान प्रति हल (हल की संख्या) के आधार पर राज्य को भू-राजस्व का भुगतान करते थे।

29. निम्नलिखित में से किस मुगलकालीन नहर का निर्माण फिरोज शाह की रजबवाह को पुनर्जीवित करके किया गया?

(a) शेखनू-नी (b) शहाब नहर

(c) नहर-ए-बिहिश्त (d) नहर-ए-आगरा

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(b)

मुगलकालीन शहाब (शिहाब - Shihab) नहर का निर्माण फिरोजशाह की रजबवाह को पुनर्जीवित करके किया गया। मुगल बादशाह अकबर के समय में पहले शिहाबुद्दीन खान और बाद में नूरुद्दीन मुहम्मद तार खान द्वारा नहर की खुदाई और मरम्मत करके चौड़ा करवाया गया। अकबर के समय दिल्ली के गवर्नर शिहाबुद्दीन ने कृषि को विस्तार देने के लिए नहर की मरम्मत करवाई और इसका नाम बदलकर शिहाब या शहाब नहर कर दिया।

Scanned with OKEN Scanner